



**MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY
OF JOURNALISM AND COMMUNICATION**

// UNIVERSITY LIBRARY //

-. NEWS CLIPPING SERVICE -.

DATE:15 JULY. 2025

एमसीयू के छात्र रहे वैभव, आशीष का भारतीय सूचना सेवा में हुआ चयन



भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे वैभव बंसल एवं आशीष विश्वकर्मा का चयन भारतीय सूचना सेवा में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने वैभव और आशीष के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वैभव ने विश्वविद्यालय में आज कुलगुरु श्री तिवारी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। ग्वालियर के रहने वाले वैभव जनसंचार विभाग में (2018-2021) के छात्र रहे हैं जबकि विदिशा के एक छोटे से गांव बदनपुर में जन्मे आशीष विश्वकर्मा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में (2016-2019) के विद्यार्थी रहे हैं। दोनों ही प्रतिभाशाली और होनहार छात्र सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के दिल्ली स्थित कार्यालय में कार्य करेंगे।

बिट्स पिलानी ने नया दृष्टिकोण पेश किया

जाने-माने शिक्षा संस्थान बिट्स पिलानी ने 2025 दीक्षांत समारोह के दौरान उच्च शिक्षा के भविष्य के लिए अपने बदलावकारी दृष्टिकोण का अनावरण किया। इस अवसर पर चांसलर कुमार मंगलम बिरला ने तीन महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की: अमरावती में आधुनिक एआई प्लस कैंपस का लॉन्च; प्रोजेक्ट विस्तार के तहत कैंपस के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए रु 1219 करोड़ का ऐतिहासिक निवेश तथा समर्पित ऐडटेक प्लेटफॉर्म बिट्स पिलानी डिजिटल का औपचारिक अनावरण। ये सभी घोषणाएं फिजिकल एवं डिजिटल शिक्षा के संगम के इस दौर में लर्निंग के भविष्य को आकार देने की संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इस अवसर पर श्री बिरला ने संस्थान की इनोवेशन की विरासत एवं अग्रगामी एजेंडा पर बात करते हुए कहा, यह बिट्स पिलानी की यात्रा में महत्वपूर्ण कदम है। पिछले छह दशकों के दौरान, बिट्स पिलानी अकादमिक उत्कृष्टता, अग्रणी इनोवेशन एवं राष्ट्र निर्माण का पर्याय बन चुका है।

एमसीयू के छात्र रहे वैभव, आशीष का भारतीय सूचना सेवा में हुआ चयन

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे वैभव बंसल एवं आशीष विश्वकर्मा का चयन भारतीय सूचना सेवा में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने वैभव और आशीष के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वैभव ने विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलगुरु श्री तिवारी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। ग्वालियर के रहने वाले वैभव जनसंचार विभाग में (2018-2021) के छात्र रहे हैं जबकि विदिशा के एक छोटे से गांव बदनपुर में जन्मे आशीष विश्वकर्मा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में (2016-2019) के विद्यार्थी रहे हैं। दोनों ही प्रतिभाशाली और होनहार छात्र सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के दिल्ली स्थित कार्यालय में कार्य करेंगे। विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाने वाले वैभव एवं आशीष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, विश्वविद्यालय के गुरुजनों और मित्रों को दिया है।

एमसीयू के छात्र वैभव और आशीष का भारतीय सूचना सेवा में चयन

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय
पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
नियुक्ति (एमसीयू) के छात्र रहे
वैभव बंसल एवं आशीष

विश्वकर्मा का चयन भारतीय सूचना सेवा में
हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय
मनोहर तिवारी ने वैभव और आशीष के चयन
पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें
शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान छात्रों ने उनका
आशीर्वाद लिया। ग्वालियर के रहने वाले
वैभव जनसंचार विभाग में (2018-
2021) के और आशीष विश्वकर्मा
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में (2016-
2019) के छात्र रहे हैं। दोनों ही
प्रतिभाशाली और होनहार छात्र सूचना एवं
प्रसारण मंत्रालय के दिल्ली स्थित कार्यालय
में कार्य करेंगे।

एमसीयू: प्रशासनिक जिम्मेदारियों में फेरबदल

भोपाल. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में प्रशासनिक जिम्मेदारियों में बड़ा फेरबदल हुआ है। प्रो. डॉ. पी. शशिकला को कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वे वर्तमान में नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष और डीन (अकादमिक) हैं। वहीं प्रो. डॉ. मनीष माहेश्वरी, जो वर्तमान में कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग के विभागाध्यक्ष एवं डीन हैं, को डीन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं प्रो. डॉ. अविनाश वाजपेयी, जो मीडिया प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष और कुलसचिव थे, को अब डीन का दायित्व दिया है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC
LIBRARY
'PATRIKA'15,JULY.2025

प्रो. डा पी शशिकला एमसीयू की नई प्रभारी कुलसचिव

भोपाल : माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में नए प्रभारी कुलसचिव की नियुक्ति की गई है। प्रभारी कुलसचिव डा. अविनाश वाजपेयी की जगह पर नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष एवं डीन अकादमिक डा. पी शशिकला को नियुक्त किया गया है। उनके पास नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष का पद भी रहेगा। वहीं, डा. अविनाश वाजपेयी को मीडिया प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष के साथ ही डीन छात्र कल्याण (अतिरिक्त प्रभार) दिया गया है। डा. वाजपेयी के खिलाफ अनियमितता को लेकर पिछले दिनों एनएसयूआई ने विरोध भी दर्ज कराया था। -नम्र

डॉ. शशिकला को एमसीयू रजिस्ट्रार का प्रभार मिला

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्राकरिता एवं संचार विवि (एमसीयू) ने डॉ. अविनाश वाजपेयी से कुलसचिव का प्रभार लेकर नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की एचओडी डॉ.



शशिकला को दिया है। वे अपने विभाग के साथ कुलसचिव के दायित्व को निभाएंगी। सोमवार को डॉ. शशिकला पीएचडी वायवा ले रही थीं। इसी दौरान उन्हें सूचित किया

गया कि उन्हें कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार लेना है। उन्हें वायवा छोड़कर कुलसचिव का प्रभार ग्रहण करना पड़ा। डॉ. वाजपेयी को मीडिया प्रबंधन के एचओडी के साथ छात्र कल्याण डीन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं मनीष महेश्वरी कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग के एचओडी के साथ अकादमिक विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

एमसीयू कुलसचिव बदले जाने पर एनएसयूआई ने जताया संतोष, छात्रहित में बताया ऐतिहासिक निर्णय

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में लंबे समय से विवादों में घिरे प्रभारी कुलसचिव डॉ. अविनाश बाजपेयी को पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह प्रो. डॉ. पी. शशिकला को नया प्रभारी कुलसचिव नियुक्त किया गया है। इस परिवर्तन को लेकर एनएसयूआई ने संतोष जताते हुए इसे छात्रहित में ऐतिहासिक जीत बताया है। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति के प्रति

आभार व्यक्त किया है। एनएसयूआई के विश्वविद्यालय प्रभारी तनय शर्मा ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि डॉ. बाजपेयी पर कई प्रशासनिक और शैक्षणिक अनियमितताओं के आरोप थे, जिन्हें लेकर छात्र संगठन ने लगातार विरोध जताया और शासन-प्रशासन स्तर पर मुद्दा उठाया।

तनय शर्मा ने बताया कि एक माह पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी कुलपति को पत्र लिखकर मामले पर चिंता जताई थी। इसके बाद

विश्वविद्यालय में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर यह अहम निर्णय लिया गया है। हालांकि डॉ. बाजपेयी को डीन स्टूडेंट वेलफेयर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, लेकिन एनएसयूआई ने स्पष्ट किया है कि वह इस निर्णय का निकट भविष्य में मूल्यांकन करेगी और छात्रहित में आवश्यक प्रतिक्रिया देने के लिए तत्पर रहेगी। संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से अपील की है कि आगे भी छात्रों की भागीदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दी जाए।

प्रो. डॉ. पी. शशिकला एमसीयू के नए प्रभारी कुलसचिव

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नए प्रभारी कुलसचिव की नियुक्ति की गई है। नवागत प्रभारी कुलसचिव डॉ. पी. शशिकला अब तक विवि में नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के एचओडी एवं डीन अकादमिक रहे हैं। अब उन्हें इस विभाग के साथ कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं, पूर्व प्रभारी कुलसचिव प्रो. डॉ. अविनाश वाजपेयी को मीडिया प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष के साथ ही डीन छात्र कल्याण (अतिरिक्त प्रभार) दिया गया है। इस मामले में लंबे समय से विवादों की स्थिति बनी हुई थी, जिसे लेकर एनएसयूआई ने विरोध भी दर्ज कराया था।



भोपाल 15-07-2025



प्रो. शशिकला बनीं एमसीयू की पहली महिला कुलसचिव

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया गया है। इस फेरबदल के तहत नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की एचओडी प्रो. पी. शशिकला को कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही वे एमसीयू की पहली महिला कुलसचिव बन गई हैं। प्रो. मनीष माहेश्वरी को अब डीन (अकादमिक) व प्रो. अविनाश वाजपेयी को अब डीन (छात्र कल्याण) बनाया गया।

एमसीयू कुलसचिव बदले जाने पर एनएसयूआई ने जताया संतोष, छात्रहित में बताया ऐतिहासिक निर्णय

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में लंबे समय से विवादों में घिरे प्रभारी कुलसचिव डॉ. अविनाश बाजपेयी को पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह प्रो. डॉ. पी. शशिकला को नया प्रभारी कुलसचिव नियुक्त किया गया है। इस परिवर्तन को लेकर एनएसयूआई ने संतोष जताते हुए इसे छात्रहित में ऐतिहासिक जीत बताया है। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति के प्रति

आभार व्यक्त किया है। एनएसयूआई के विश्वविद्यालय प्रभारी तनय शर्मा ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि डॉ. बाजपेयी पर कई प्रशासनिक और शैक्षणिक अनियमितताओं के आरोप थे, जिन्हें लेकर छात्र संगठन ने लगातार विरोध जताया और शासन-प्रशासन स्तर पर मुद्दा उठाया।

तनय शर्मा ने बताया कि एक माह पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी कुलपति को पत्र लिखकर मामले पर चिंता जताई थी। इसके बाद

विश्वविद्यालय में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर यह अहम निर्णय लिया गया है। हालांकि डॉ. बाजपेयी को डीन स्टूडेंट वेलफेयर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, लेकिन एनएसयूआई ने स्पष्ट किया है कि वह इस निर्णय का निकट भविष्य में मूल्यांकन करेगी और छात्रहित में आवश्यक प्रतिक्रिया देने के लिए तत्पर रहेगी। संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से अपील की है कि आगे भी छात्रों की भागीदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दी जाए।